>

Title: Need to formulate National Cultural Policy and to implement National Library Mission.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): सभापति महोदय, नयी दिल्ली के मशहूर रामलीला मैदान में हिन्दुस्तान में सर्वप्रथम राष्ट्रीय पुस्तक मेला सरकार की ओर से नहीं, बल्कि राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर स्मारक न्यास की ओर से मनाया जा रहा है। उसमें महामहिम राष्ट्रपति जी, लोक सभा अध्यक्ष महोदया आदि सभी महापुरुष आमंत्रित हैं। उसमें देश के नामी, मशहूर कलाकार, साहित्यकार, नाटककार भाग ले रहे हैं। उसमें श्री बिरजू महाराज जैसे मशहूर कलाकार भाग ले रहे हैं। उसमें एलान किया जाएगा कि भारत सरकार तुंत राष्ट्रीय सांस्कृतिक नीति घोषित करे। यह आश्चर्य और दुख का विषय है कि हिन्दुस्तान में अभी कोई राष्ट्रीय सांस्कृतिक नीति नहीं है। इसलिए सरकार राष्ट्रीय सांस्कृतिक नीति घोषित करे और पुस्तक संस्कृति का विकास करे, इस पुस्तक मेला से यही संदेश देना है। भारत सरकार ने "नेशनल लाइब्रेरी मिशन " शुरू किया है। इसको तेज किया जाना चाहिए।

महोदय, बिहार में शुरू हो गया कि "मदिरालय नहीं, पुस्तकालय चाहिए ", "शराब नहीं, किताब चाहिए ", "बेरोज़गारों को रोज़गार चाहिए "। महिलाएं सड़कों पर उतर गयी हैं कि नशाबंदी करो। हाल में रक्सौल, मुज़फ्फरपुर, गया, आरा में सैंकड़ों लोग ज़हरीली शराब पीकर मर गये। वहां लोग उद्वेलित हैं। गरीब आदमी मर रहा है। भारत के संविधान की धारा 47 में कहा गया है कि मद्यनिषेध होगा। महात्मा गांधी ने कहा कि मद्यनिषेध होगा। मुहम्मद पैग़म्बर ने कहा - उमूल खबायस। शराब सभी पापों की जड़ है, ईसा मसीह ने कहा है। वर्ष 1953 में श्रीमन्नारायण कमेटी, वर्ष 1963 में जस्टिस टेकचन्द कमेटी, और वर्ष 2006 में उच्चतम न्यायालय ने कहा कि नशाबंदी होना चाहिए। देश के गुज़रात में नशाबंदी है। बिहार में भी वर्ष 1977 में स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर ने किया था। इसलिए पुस्तक संस्कृति का विकास होना चाहिए। मदिरालय नहीं, पुस्तकालय चाहिए, और राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन को तेज़ किया जाय। राष्ट्रीय सांस्कृतिक नीति की घोषणा हो। पुस्तक संस्कृति और पुस्तकालय आंदोलन को हिन्दुस्तान में तेज़ किया जाय। यही मांग है और यही सदन से हमारी अपेक्षा है कि सब लोग इसका समर्थन करें।

MR. CHAIRMAN :

Shri Arjun Ram Meghwal,

Shri Rajendra Agrawal and Shri Pralhad Joshi are permitted to associate with the matter raised by Dr. Raghuvansh Prasad Singh.